नकली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश

Publish Date:Tue, 12 Nov 2019 12:40 AM (IST)

-हाथरस जंक्शन के गांव लाड़पुर में नकली नोट मिलने का मामला -दो गिरफ्तार दुकानदार से रुपये ऐंठने के लिए फंसाने की साजिश -नोट स्केन करने वाला आरोपित पुलिस की पकड़ से दूर दो फरार

जागरण संवाददाता, हाथरस : लाड़पुर में दुकानदार से रुपये ऐंठने के उद्देश्य से उसके गांव के ही युवक ने दुकान पर नकली नोट रखवाए थे। पूछताछ के बाद दुकानदार को छोड़ दिया गया है। पुलिस को सूचना देने वाले व काउंटर पर नोट रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मामले में दो आरोपित फरार हैं। इनमें से एक नोट स्कैन करता था।

हाथरस जंक्शन पुलिस ने फोन पर मिली सूचना पर लाड़पुर में राजवीर निवासी गांव दयानतपुर की दुकान पर छापा मारा था। कपड़ों के नीचे काउंटर पर एक बॉक्स में पांच सौ, दो हजार व सौ के नकली नोट थे। एक ही नोट को स्केन कर प्रिंट निकाले गए थे, जो कि साफ पता चल रहा था। दुकानदार से पूछताछ हुई तो वह निर्दोष निकला। इसके बाद पुलिस ने सूचना देने वाले को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ हुई तो मामला खुलकर सामने आ गया। गगन पाराशर पुत्र सत्यदेव निवासी माधव बिहार कॉलोनी, इगलास अड, हाथरस गेट ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस हिरासत में आते ही गगन ने पूरी कहानी बता दी। उसके साथ उसके साथी सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते निवासी ढकपुरा को भी गिरफ्तार किया गया। युवक ने पुलिस को बताया कि उसके दोस्त रंजीत चौधरी निवासी फतेहपुर, थाना इगलास (अलीगढ़) ने राजवीर की दुकान पर रखने के लिए दिए थे। कुछ सालों से रंजीत राजवीर के ही गांव दयानतपुर में रह रहा है। उसे पता था कि राजवीर के खाते में काफी रुपये हैं। उन्हें ही ऐंठने के लिए उसने फंसाने की योजना बनाई थी। गगन ने सफाई दी कि उसने पहली बार ही यह काम किया है, जबकि रंजीत व उसका दोस्त अशोक दीक्षित कई बार नोट छापकर जगह-जगह सप्लाई कर चुके हैं।

इस खेल में अशोक दीक्षित निवासी मूंगसा, हाथरस गेट हाल निवासी कोटा रोड आरपीएफ कॉलेज के पास भी शामिल हैं। एसएचओ हाथरस जंक्शन मनोज शर्मा ने बताया कि अशोक हाथरस गेट कोतवाली से चोरी के मामले में जेल भी जा चुका है। बकौल गगन वही नोटों को स्कैन करने का काम करता है। बाकी लोग नोटों को सप्लाई करते हैं। कोटा रोड पर कमरा किराए पर इसी उद्देश्य से लिया था। पुलिस ने गगन, सत्यप्रकाश, अशोक व रंजीत के खिलाफ नोटों की स्केनिग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। अशोक व रंजीत के पकड़े जाने के बाद ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकेगा। दोनों की सरगरमी से तलाश की जा रही है।

अलीगढ़ व आगरा की
टीम ने की पूछताछ

जाली नोट पकड़े जाते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। खुफिया एजेंसी भी सक्रिय हो गईं। हाथरस की लोकल इंटेलीजेंस यूनिट के अलावा अलीगढ़ की खुफिया एजेंसी के अधिकारी भी पूछताछ के लिए कोतवाली हाथरस जंक्शन पहुंचे। यह टीम अवैध हथियार व आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित मामलों में छानबीन करती है। देश विरोधी गतिविधियों में बड़ी ताकतों के हाथ होने की आशंका के चलते यह पूछताछ हुई। आगरा से एडीजी ने भी एक टीम पूछताछ के लिए भेजी।

Posted By: **Jagran**

Source: https://www.jagran.com/uttar-pradesh/hathras-busted-for-printing-fake-currency-busted-19747139.html